www.wbcsmadeeasy.in

2019

HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRECIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

Time Allowed—3 Hours *Full Marks—200*

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and remaining ones ignored.

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी हिन्दी समाचारपत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए (अधिकतम 150 शब्दों में): 40

(नाम पता के स्थान पर XYZ लिखिए।)

(क) बेरोजगारी की समस्या

(ख) मोबाइल के बढ़ते प्रयोग के दुष्परिणाम

(ग) अभिव्यक्ति की आजादी

2. निम्नलिखित विषय पर 200 शब्दों में एक संपादकीय प्रतिवेदन लिखिए : 40

आर्थिक आधार पर आरक्षण आवश्यक है।

3. निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए : 40

अभिव्यक्ति की ताकत अगर मनुष्य को पशु से भिन्न बनाती है, तो साहित्य उसे दिशा देता है और अहसास दिलाता है कि वह मनुष्य अकेला नहीं बल्कि एक समाज का अंग है, और प्रतिबद्ध साहित्य समाज को गतिशील बनाता है, जड़ नहीं। समृद्ध, सशक्त समाज की पहचान उसके समय के साथ खुद को बदलने की क्षमता में होती है, न को जड़ बन कर समय को बाँध देने में। आज तक आदिवासी समाज को भारत में मैदानी मध्यवर्गीय मानसिकता वाले समुदाय ने, जो जातीय दंभ से लैस भी रहा, दायरे से बाहर आने ही नहीं दिया। उन्होंने न तो इन्हें विकसित होने दिया और न ही इन्हें अपने में समाहित होने दिया। आदिवासी मनुष्य को एक वनवासी मनुष्य के फ्रेम में मढ़ दिया गया। वह अधिक संवेदनशील, अधिक कलात्मक, उदार, उदात्त, सहनशील, सरल है। वह ताल-लय-स्वर में पारंगत है। वह जीवन का व्यापार नहीं करता, बस जीने के नियम जानता है। हर विपरीत परिस्थिति में रहता है, पर प्रकृति को नष्ट नहीं करता।

4. प्रस्तुत गद्यांश का पाठ कर उसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

यह सत्य है कि स्वतंत्र्य पूर्व का युग पराधीनता के विरुद्ध किये जाने वाले संघर्षों और राष्ट्रीय जागरण का काल था और राजनीतिज्ञों की भाँति समग्र देश के साहित्यकारों के चिंतन, मनन, दर्शन और अभिव्यक्ति का केंद्रबिंदु सामाजिक विषमता, कलुषता और फूट से उत्पन्न विपन्नता का उत्स बन बैठी पराधीनता थी, जिसके विरुद्ध रचनात्मक और स्वस्थ्य दृष्टिकोण रखकर नाना प्रकार के रूपों में चैतन्य साहित्य की सृष्टि की गई। फलस्वरूप प्राणवंत साहित्य की प्रेरणा के कारण गुलामी के कष्टों और पीड़ाओं के विरुद्ध दिनों दिन लोकभावना उग्र होती गई और एक दिन देश स्वतंत्र हो गया। यह भी सच है कि परतंत्रता के कष्टों और अत्याचारों के प्रति विद्रोह-रागिनी ध्वनित करने वाले साहित्यकारों और प्रजाजनों की आँखों में एक

Please Turn Over

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc.Call WBCSMadeEasy™ at 9674493673 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in

www.wbcsmadeeasy.in

सुखद भविष्य और स्वतंत्र देश की गौरवमय कल्पना का चित्र झिलमिलाया करता था, जिसके प्रति उनमें अटूट विश्वास और आस्था थी। फिर स्वतंत्रता की हवा के स्पर्श मात्र से उनकी वे सुखद कल्पनाएँ और गौरवमय भविष्य के चित्र क्यों धूमिल और अन्तर्ध्यान हो गए हैं? क्यों उनकी वह सर्जनात्मक शक्ति और प्रतिभा कुंठित हो गयी? नित्य यह प्रश्न और कुछ इस तरह के दूसरे प्रश्न लोकमानस को आज विचलित कर रहे हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(ख) रेखांकित अंशों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) स्वतंत्रता की हवा के स्पर्शमात्र से देश में क्या घटनाएँ घटित हुई?

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 40

Our total environment influences our life and our way of living. The main elements of our environment are men, animals, plants, soil, air and water. There are relationships among these elements. When their relationships are disturbed, life becomes difficult and impossible. By keeping the environment safe man can ensure a healthier and happier life.

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc.Call WBCSMadeEasy™ at 9674493673 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in